भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 725
जिसका उत्तर मंगलवार, 01 मार्च, 2016 को दिया जाना है।

एचएमटी एकक

725. श्री टी जी वेंकटेश बाबू:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का घाटे में चल रही एचएमटी यूनिट इकाई, विशेषकर नैनीताल की रानीबाग इकाई को पुन: खोलने/पुनरुद्धार का कोई प्रस्ताव है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार रानीबाग की एचएमटी फैक्ट्री को एक ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के रूप में परिवर्तित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार का एचएमटी इकाइयों के कर्मचारियों को आकर्षक वीआरएस/वीएसएस प्रदान करने और उनके हितों की रक्षा के लिए कोई प्रस्ताव है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): जी, नहीं।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

(घ) और (ङ): जी, हां। सीसीईए के अनुमोदन के अनुसार, एचएमटी की तीन सहायक कंपनियों नामतः एचएमटी वाचिज लि. एचएमटी चिनार वाचिज लि. और एचएमटी बेयरिंग्स लि. के सभी कर्मचारियों को लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों में छूट देते हुए, 2007 नोशनल वेतनमानों पर आकर्षक वीआरएस पैकेज तथा 2007 नोशनल वेतनमानों पर ही उपदान और छुट्टी नकदीकरण की पेशकश की जाएगी।

****